GST NO. 07AAACE1747M1ZJ CIN U20299DL1986 NPL023253

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256 **Email:** press@epch.com

Fax: 91-11-26135518,26135519 **web:** www.epch.in

PRESS RELEASE

NATIONAL AND INTERNATIONAL AWARD WINNER DEMONSTRATED MINIATURE PAINTING AT IHGF-DELHI FAIR VIRTUAL

MODELS DURING FASHION SHOW SHOWCASED HORN & BONE AND METAL JEWELLERY

New Delhi – 18th July, 2020 - The Miniature Painting of Rajasthan constitutes one of the greatest traditions of paintings in the country. Jaipur city in Rajasthan is famous for miniature paintings of Mughal period said Shri Rakesh Kumar, Director General – EPCH.

On 5th day of IHGF-Delhi fair virtual, Mr. Babu Bal Marotia, National and International award winner and Shilp Guru demonstrated art of creating miniature painting. Mr. Marotia started learning this art form at the age of 10 years and spent his whole life in teaching the method of art of making miniature painting said Shri Neeraj Khanna, President of the fair.

Mr. Marotia said that for making miniature painting, he uses colours extracted from natural stones such as Khadiya stone for white colour which is found beneath earth. Likewise Hingloo stone for getting red colour, tabathia hartel is used for yellow colour etc. The gum from babul tree is used to get final colour for painting the scenery. Two shades are used in each colour. One single colour needs to be grinded for 10 days for 7 to 8 hours a day. He further said paintings are made on paper called basil which is handmade paper and is used according to size of the painting. For richness and decoration, real gold and silver in 'Halkan' and leaf form are used.

Mr. Babu Lal Marotia got his first National award in 1997, Shilp Guru award in 2016 and International award in 2018. He thanked EPCH for providing him opportunity to showcase his art of making miniature paintings at the virtual platform.

Fashion shows remained one of the attractions during the show. On 5TH day of the show, models showcased horn & Bone jewellery of Rahulls Impex, metal jewellery of Kenway Sartaj World wide, beach ware and resort collection of Needle crafts & G.K. Exports, leather and stoles of Mangoes Industries Pvt. Ltd and Old village Overseas.

For more information, please contact :

Shri Rakesh Kumar, Director General – EPCH - +91-9818272171

Follow us on #epchindia

Copyright 2020 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

GST NO. 07AAACE1747M1ZJ CIN U20299DL1986 NPL023253

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256 **Email:** press@epch.com

Fax: 91-11-26135518,26135519 **web:** www.epch.in

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता ने प्रदर्शित की अपनी मिनिएचर पेंटिंग्स

फैशन शो के दौरान मॉडल्स ने हॉर्न एंड बोन और मेटेल ज्वैलरी प्रदर्शित कर बिखेरे जलव

नई दिल्ली- 18 जुलाई, 2020- देश की परंपरागत चित्रकारी में राजस्थान की मिनिएचर पेटिंग्स का अहम स्थान है। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने बताया कि राजस्थान का जयपुर शहर मुगलकालीन मिनिएचर पेंटिग्स के लिए प्रसिद्ध है।

आईएचजीएफ दिल्ली मेले (वर्चुअल) के पांचवे दिन अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित शिल्पगुरु श्री बाबूबाल मरोटिया ने मिनिएचर पेंटिग्स बनाने की कला का प्रदर्शन किया। श्री मरोटिया ने इस कला को अपने जीवन के शुरुआती पड़ाव यानी 10 साल की उम्र से सीखना शुरु किया और अपना पूरा जीवन ही इस कला को समर्पित कर दिया। आईएचजीएफ दिल्ली मेले (वर्चुअल) के प्रेसीडेंट श्री नीरज खन्ना ने कहा की श्री मरोटिया ने ना सिर्फ उत्कृष्ट कलाकृतियों का निर्माण किया बल्कि अपने पूरा जीवन इस कला को अगली पीढियों को सिखाने में लगा दिया।

इस मौके पर श्री मरोटिया ने कहा कि मिनिएचर पेंटिग्स बनाने के लिए वो प्राकृतिक पत्थरों से निकले हुए रंगों का इस्तेमाल करते हैं। सफेद रंग के लिए वो ज़मीन के नीचे पाए जाने वाली खड़िया पत्थर, लाल रंग के लिए हिंगलू पत्थर, पीले रंग के लिए तबतिया हार्टेल जैसे तमाम पत्थरों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो सीनरी बनाने में फिनिशिंग कलर के लिए बबूल के पेड़ से मिलने वाले गम का इस्तेमाल करते हैं। हर कलर के दो शेड्स का वो इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि एक रंग बनाने के लिए 10 दिन तक हर दिन उसे 7 से 8 घंटे तक पीसा जाता है। उन्होंने ये भी बताया कि उनकी पेटिंग बेसिल हैंडमेड कागज पर बनाई जाती है। पेपर का साइज़ पेंटिग के हिसाब से तय किया जाता है। अपनी पेंटिग्स की सजावट और दिव्यता के लिए वो हलकान में असली सोने और चांदी और पत्तियों का इस्तेमाल करते हैं।

श्री बाबू लाल मरोटिया को अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार 1997 में मिला था। इसके अलावा उन्हें साल 2016 में शिल्पगुरु पुरस्कार और साल 2018 में अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने अपनी मिनिएचर पेंटिग कला का प्रदर्शन वर्चुअल मंच पर करने का अवसर देने के लिए ईपीसीएच का आभार व्यक्त किया।

आईएचजीएफ दिल्ली मेले (वर्चुअल) के दौरान फैशन शो का आकर्षण लगातार जारी है। आयोजन के पांचवें दिन मॉडल्स ने हार्न एंड बोन और मेटल के आभूषणों का प्रदर्शन कर रैंप पर अपने जलवे बिखेरे। मॉडल्स ने राहुल्स इंप्लेक्स की हॉर्न एंड बोन ज्वैलरी और केनवे सरताज वर्ल्ड वाइड की मेटल ज्वैलरी का प्रर्दशन किया। इसके साथ ही मॉडल्स ने नीडल क्राफ्ट एंड जी.के.एक्सपोर्ट्स के बीच वेयर समर कलेक्शन, मैंगो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और ओल्ड विलेज ओवरसीज के लेदरवेयर और स्टोल्स को भी प्रदर्शित किया।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

श्री राकेश कुमार, महानिदेशक-ईपीसीएच - +91-9818272171

Follow us on #epchindia

Copyright 2020 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

Follow us on #epchindia

Copyright 2020 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

Follow us on #epchindia

Copyright 2020 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

Follow us on #epchindia

Copyright 2020 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

Follow us on #epchindia

Copyright 2020 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.